

13/2/26

प्रा० पत्र मूल वाद के लेखन पेशी
में लिया गया।

वकील वादी / उभयपक्ष उप०। वकील वादी ने प्रा०
पत्र पेश कर वाद को विद्वा / ~~नोट प्रेस~~ में खारिज
किए जाने का निवेदन किया। अतः पत्रावली को
इसी स्तर पर खारिज किया जाता है। पत्रावली
फैसला शुमार नं. से कम की जाकर दाखिल
इफ्तर हो।

✓